Toppersnotes®
Unleash the topper in you

KVS – TGT

विशेष शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (KVS)

भाग - 4

डिसेबिलिटी स्पेशलाइज़ेशन : ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) - 2

SIERRA INNOVATIONS

INDEX

S.N.	Content	P.N.
	डिसेबिलिटी स्पेशलाइज़ेशन ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) – 2	
1.	ASD के लिए सहकारी शिक्षण रणनीतियाँ	1
2.	हस्तक्षेप के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग	8
3.	ASD के लिए समावेशी शिक्षण रणनीतियाँ	14
4.	ASD के लिए यूनिवर्सल डिज़ाइन फ़ॉर लर्निंग (UDL)	21
5.	ASD के लिए डिफरेंशिएटेड इंस्ट्रक्शन (DI)	27
6.	ASD शिक्षार्थियों के लिए कक्षा प्रबंधन	33
7.	ASD के लिए घर पर ट्रेनिंग और सहायक टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन	40
8.	"मनोसामाजिक और पारिवारिक मुद्दे" (ASD विशेषज्ञता) मनो-सामाजिक नींव और विकलांगता	46
9.	विकासात्मक चरणों में विकलांगता का मनोवैज्ञानिक-सामाजिक प्रभाव	50
10.	ASD वाले बच्चों के साइकोसोशल डेवलपमेंट में परिवार की भूमिका	55
11.	एएसडी वाले बच्चों के मानसिक-सामाजिक विकास में स्कूल की भूमिका	61
12.	विकलांगता के संदर्भ में परिवार की ज़रूरतें	66
13.	विकलांग बच्चों के परिवारों के सामने आने वाली समस्याएँ	71
14.	ASD से पीड़ित बच्चों के माता-पिता और परिवारों को सशक्त बनाना	76
15.	दिव्यांगों के प्रति सामाजिक नज़रिया: पड़ोस, दूसरे बच्चों के माता-पिता, दोस्ती, सपोर्ट सिस्टम	82
16.	ASD वाले बच्चों के लिए दोस्ती, साथियों के सोशल नेटवर्क और सोशल सपोर्ट सिस्टम	87
17.	ASD वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए वकालत और कानूनी अधिकार	92
18.	ASD में परिवार और समुदाय का हस्तक्षेप: मॉडल, अभ्यास और अनुप्रयोग	96
19.	ASD वाले बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ	102
20.	ASD वाले बच्चों के परिवारों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ	107
21.	ASD वाले बच्चों के लिए काउंसलिंग के तरीके	112
22.	ASD वाले बच्चों के परिवारों के लिए काउंसलिंग के तरीके	118
23.	ASD वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए इंटीग्रेटेड साइकोसोशल इंटरवेंशन फ्रेमवर्क	123
24.	मनोवैज्ञानिक-सामाजिक पहलू और परिवार और स्कूल की भूमिका साइको-सोशल पहलुओं और विकलांगता को समझना (ASD फोकस)	128
25.	ASD में बचपन से किशोरावस्था तक मनो-सामाजिक विकास	132
26.	मानसिक-सामाजिक विकास में परिवार की भूमिका	137
27.	मानसिक-सामाजिक विकास में स्कूल की भूमिका	143
28.	मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए घर-स्कूल साझेदारी	148
29.	विकलांगता के संदर्भ में परिवार की ज़रूरतें	153

30.	दिव्यांग बच्चों के परिवारों के सामने आने वाली समस्याएं (ASD फोकस)	158
31.	माता-पिता और परिवारों को सशक्त बनाना	164
32.	सामाजिक नज़रिया, आस-पड़ोस की सोच और समुदाय की प्रतिक्रियाएँ	169
33.	दोस्ती, सपोर्ट सिस्टम, वकालत और कानूनी अधिकार	174
34.	पारिवारिक हस्तक्षेप: घरेलू गतिशीलता को मजबूत करना	180
35.	सामुदायिक हस्तक्षेप और समर्थन	185
36.	ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ	191
37.	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले बच्चों के परिवारों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ	196
38.	ASD वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए काउंसलिंग और गाइडेंस	202

1 CHAPTER

डिसेबिलिटी स्पेशलाइज़ेशन ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) - 2

ASD के लिए सहकारी शिक्षण रणनीतियाँ

- कोऑपरेटिव लर्निंग एक स्ट्रक्चर्ड इंस्ट्रक्शनल तरीका है जिसमें स्टूडेंट्स छोटे ग्रुप्स में मिलकर काम करते हैं ताकि वे एक जैसे लर्निंग गोल्स पा सकें। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) वाले स्टूडेंट्स के लिए, कोऑपरेटिव लर्निंग एकेडमिक अचीवमेंट, सोशल इंटरेक्शन, कम्युनिकेशन स्किल्स, इमोशनल रेगुलेशन और इन्क्लूजन रेडीनेस को काफी बेहतर बना सकती है। हालांकि, इसकी सफलता उन तरीकों पर निर्भर करती है जिन्हें ध्यान से अपनाया गया हो और जो ASD लर्निंग प्रोफाइल से मैच करते हों।
- यह चैप्टर ASD लर्नर्स के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग स्ट्रेटेजी पर गहराई से, पूरी जानकारी वाले, हाई-स्टैंडर्ड नोट्स देता है। इनमें बेसिक कॉन्सेप्ट, टीचिंग अडैप्टेशन, ग्रुप स्ट्रक्चरिंग, सपोर्टिव टूल्स, एक्टिविटी टेम्पलेट्स, रीइन्फोर्समेंट सिस्टम और असली क्लासरूम के उदाहरण शामिल हैं - जो KVS/NVS स्पेशल एजुकेटर (TGT) एग्जाम के लिए पूरी तरह से सही हैं।

1. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग का कॉन्सेप्ट

कोऑपरेटिव लर्निंग में शामिल हैं:

- **सहयोगात्मक समूह कार्य**
- **साझा लक्ष्य**
- **संरचित भूमिकाएँ**
- **सहकर्मी समर्थन**
- **व्यक्तिगत जवाबदेही**
- **समूह सफलता निर्भरता**

बिना किसी स्ट्रक्चर वाली ग्रुप एक्टिविटी के उलट, कोऑपरेटिव लर्निंग जानबूझकर, स्कैफोल्डेड और गाइडेड होती है, जो इसे ASD लर्नर्स के लिए सही बनाती है, जिन्हें क्लैरिटी, प्रेडिक्टेबिलिटी और अच्छी तरह से तय सोशल एक्सपेक्टेशन की ज़रूरत होती है।

2. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग क्यों ज़रूरी है

ASD प्रभाव:

- संचार
- सामाजिक दीक्षा
- सामाजिक पारस्परिकता
- समूह भागीदारी
- संयुक्त ध्यान
- FLEXIBILITY

कोऑपरेटिव लर्निंग खास तौर पर बेहतर बनाती है:

2.1 सामाजिक संचार

असल हालात में सोशल भाषा की प्रैक्टिस करने से एक्सप्रेसिव और रिसेप्टिव स्किल्स मज़बूत होती हैं।

2.2 सहकर्मी बातचीत

गाइडेड पीयर इंटरेक्शन के मौके अकेलेपन को कम करते हैं।

2.3 बारी-बारी से काम करना और साझा ज़िम्मेदारी

ASD सीखने वाले बारी-बारी से काम करने और मिलकर काम करने की प्रैक्टिस करते हैं।

2.4 समस्या समाधान

ग्रुप में प्रॉब्लम सॉल्व करने से फ्लेक्सिबिलिटी और एडजस्ट करने की क्षमता बढ़ती है।

2.5 शैक्षणिक जुड़ाव

साथियों के साथ काम करने से पढ़ाई के कामों में लगातार हिस्सा लेने को बढ़ावा मिलता है।

2.6 भावनात्मक विनियमन

स्ट्रक्चर्ड ग्रुप्स, ASD लर्नर्स को प्रेडिक्टेबल रूटीन और पीयर मॉडलिंग के ज़रिए इमोशंस को रेगुलेट करने में मदद करते हैं।

2.7 समावेशन

अच्छे सहयोग से जनरल एजुकेशन के साथियों के साथ जुड़ने में मदद करता है।

3. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग के मुख्य सिद्धांत

असरदार कोऑपरेटिव लर्निंग खास सिद्धांतों पर चलती है:

3.1 संरचित समूह भूमिकाएँ

साफ़ तौर पर तय भूमिकाएँ जैसे:

- नेता
- सामग्री प्रबंधक
- टाइमकीपर
- रिकॉर्डर
- प्रस्तुतकर्ता

भूमिकाएं कन्फ्यूजन को कम करती हैं, जो ASD लर्नर्स के लिए ज़रूरी है।

3.2 व्यक्तिगत जवाबदेही

- हर सीखने वाला काम के एक हिस्से के लिए ज़िम्मेदार होता है।
- "ज़्यादा मदद" को रोकने से यह पक्का होता है कि ASD स्टूडेंट एक्टिवली हिस्सा ले।

3.3 सकारात्मक अन्योन्याश्रयता

ग्रुप की सफलता हर सदस्य के योगदान पर निर्भर करती है।

फॉर्म:

- साझा सामग्री
- संयुक्त पुरस्कार
- एक अंतिम समूह उत्तर
- विभाजित कार्य घटक

3.4 आमने-सामने बातचीत

सीखने वाले बातचीत करते हैं:

- विचारों को साझा करना
- प्रतिक्रिया देना
- मॉडलिंग प्रतिक्रियाएँ

इससे सोशल कम्युनिकेशन प्रैक्टिस को बढ़ावा मिलता है।

3.5 स्पष्ट सामाजिक कौशल शिक्षण

कोऑपरेटिव लर्निंग में शामिल सोशल स्किल्स में शामिल हैं:

- अभिवादन
- मदद के लिए पूछना
- मदद प्रदान कर रहा
- बारी-बारी से
- सुनना
- बंटवारे

ASD सीखने वालों को ये स्किल्स पहले से सिखाE जानी चाहिए।

3.6 समूह प्रसंस्करण

इस पर विचार करते हुए:

- क्या काम किया
- क्या नहीं हुआ
- टीमवर्क को कैसे बेहतर बनाया जाए

इससे सीखने में गहराई आती है और ASD लर्नर्स को ग्रुप की उम्मीदों को समझने में मदद मिलती है।

4. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग के मॉडल्स को अपनाया गया

कई पहले से मौजूद कोऑपरेटिव लर्निंग मॉडल में ASD लर्नर्स के लिए खास बदलाव की ज़रूरत होती है।

4.1 थिंक-पेयर-शेयर (TPS)

एएसडी अनुकूलन

- दृश्य संकेत प्रदान करें
- अधिक प्रसंस्करण समय दें
- पूर्व-शिक्षण प्रश्न प्रकार
- शेयरिंग फेज़ के लिए पीयर बडी का इस्तेमाल करें

संरचना

1. व्यक्तिगत रूप से सोचें
2. किसी साथी के साथ जोड़ी बनाएँ
3. ग्रुप के साथ जवाब शेयर करें

एएसडी के लिए लाभ

- कम दबाव
- संरचित सहकर्मी बातचीत
- पूर्वानुमेय दिनचर्या

4.2 राउंड रॉबिन

स्टूडेंट्स एक ग्रुप में एक-एक करके बोलते हैं।

रूपांतरों

- बोलने का कार्ड प्रदान करें
- बिना बोले बातचीत की इजाज़त दें (AAC/पिक्चर कार्ड)
- विकल्प को पास होने दें

4.3 जिगसॉ विधि

हर सीखने वाला कंटेंट के एक हिस्से का एक्सपर्ट बन जाता है और दूसरों को सिखाता है।

एएसडी अनुकूलन

- सामग्री की जटिलता कम करें
- दृश्य और स्क्रिप्ट प्रदान करें
- शिक्षण के दौरान साथियों का समर्थन
- प्रस्तुति से पहले अभ्यास की अनुमति दें

4.4 STAD (स्टूडेंट टीम अचीवमेंट डिवीजन)

स्टूडेंट्स एक साथ सीखते हैं, लेकिन उन्हें अलग-अलग ग्रेड दिया जाता है।

रूपांतरों

- दृश्य स्कोरिंग चार्ट
- पूर्वानुमेय पुरस्कार प्रणाली
- स्पष्ट मापनीय कार्य

4.5 सहकारी परियोजना-आधारित शिक्षा
स्टूडेंट्स एक ग्रुप प्रोजेक्ट (पोस्टर, मॉडल, प्रेजेंटेशन) बनाते हैं।

रूपांतरों
- प्रोजेक्ट को छोटे-छोटे कामों में बांटें
- ASD की ताकत से मिलते-जुलते काम दें (विजुअल, ऑर्गनाइज़ेशन, ड्राइंग)
- कार्य चेकलिस्ट प्रदान करें

5. ASD लर्नर्स को कोऑपरेटिव लर्निंग के लिए तैयार करना
5.1 सामाजिक कौशलों की पूर्व-शिक्षण
ग्रुप टास्क से पहले, ASD सीखने वालों को यह सीखना चाहिए:
- सामग्री कैसे मांगें
- कैसे साझा करें
- बारी-बारी से कैसे करें
- कैसे सुनें
- भ्रम कैसे व्यक्त करें

उपयोग:
- मॉडलिंग
- रोल प्ले
- वीडियो मॉडलिंग
- सामाजिक कहानियाँ

5.2 टीचिंग ग्रुप के नियम
नियम दिखने वाले और छोटे होने चाहिए, जैसे:
- अपनी ओर से हाथ बढ़ाएँ
- साथी को देखो
- बारी बारी से
- शांत आवाज़ का प्रयोग करें
- मदद के लिए पूछना

नियम टेबल या ग्रुप मैट पर रखें।

5.3 ग्रुप का साइज़ ध्यान से चुनें
ASD के लिए सही ग्रुप साइज़: **2-3 सदस्य** ।
बड़े ग्रुप्स से कॉम्प्लेक्सिटी बढ़ जाती है।

5.4 पीयर बडी असाइनमेंट
पीयर बडी इसमें मदद करता है:
- निर्देश
- बदलाव
- उत्साह
- आश्वासन

5.5 सामग्री तैयार करना
सभी सामग्री होनी चाहिए:
- संगठित
- लेबल
- रंग कोडित
- संवेदी अधिभार से बचने के लिए न्यूनतम

6. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग को सपोर्ट करने की स्ट्रेटेजी
6.1 विजुअल सपोर्ट
विजुअल्स कन्फ्यूजन कम करते हैं।
- समूह भूमिका कार्ड
- बारी-बारी से कार्ड
- दिशा चार्ट
- कार्य अनुक्रम स्ट्रिप्स
- इनाम चार्ट

उदाहरण: "मेरी भूमिका: रिकॉर्डर → उत्तर नोटबुक में लिखें।"

6.2 संरचित टर्न-टेकिंग सिस्टम

औजार

- घूमने वाला पहिया
- बारी-बारी से कार्ड
- बात करने वाली छड़ी
- ऑब्जेक्ट पासिंग

साफ़, अंदाज़ा लगाने लायक मोड़ चिंता को रोकते हैं।

6.3 बातचीत का समर्थन

ASD सीखने वालों को इससे फ़ायदा होता है:

- क्यू कार्ड (हाँ/नहीं, मदद, और भी)
- वाक्य प्रारंभकर्ता ("मैं सोचता हूँ...", "मैं चुनता हूँ...")
- विषय बोर्ड
- प्रश्न कार्ड

6.4 मचान संचार

के साथ शुरू:

- इशारा
- विकल्प बनाने
- हाव-भाव आधारित बातचीत
- एएसी

धीरे-धीरे मल्टी-वर्ड फ्रेज़ या इंस्ट्रक्शन की ओर बढ़ें।

6.5 संज्ञानात्मक भार कम करना

टास्क को बाँटें:

- चरण 1: पहचानें
- चरण 2: सॉर्ट करें
- चरण 3: मिलान करें
- चरण 4: जगह

पार्टिसिपेशन को आसान बनाता है।

6.6 सहकारी व्यवहार के लिए सुदृढ़ीकरण प्रणालियाँ

सुदृढ़ करें:

- बंटवारे
- इंतज़ार में
- AAC का उपयोग करना
- समूह में रहना
- समूह चरणों को पूरा करना

रिवॉर्ड में टोकन, तारीफ़ या छोटे-मोटे खास अधिकार शामिल हैं।

6.7 लचीले बैठने के विकल्प

ASD सीखने वालों को चुनने दें:

- फर्श पर बैठने की जगह
- पीठ के सहारे वाली कुर्सी
- संवेदी कुशन
- थोड़ी अलग लेकिन दृश्यमान स्थिति

आराम को बढ़ावा देता है।

7. एक्टिविटी टेम्पलेट (क्लासरूम-रेडी)

7.1 सहकारी पठन कार्य

भूमिकाएँ

- पाठक
- पेज टर्नर
- शब्दावली खोजक

कदम

1. सहकर्मी पढ़ता है
2. ASD सीखने वाला तस्वीर की ओर इशारा करता है
3. शब्दावली खोजक नए शब्दों की पहचान करता है

7.2 सहकारी गणित कार्य

टास्क: नंबर मैचिंग पज़ल सॉल्व करें।

भूमिकाएँ

- आयोजक (ASD शिक्षार्थी)
- सॉल्वर
- परीक्षक

ASD लर्नर्स विजुअल कैटेगराइज़ेशन में बहुत अच्छे होते हैं, इसलिए "ऑर्गनाइज़र" रोल सफलता में मदद करता है।

7.3 समूह विज्ञान गतिविधि

काम: Bज बोना।

भूमिकाएँ:

- योजना लेखक
- सामग्री हैंडलर
- बोने की मशीन
- पानी देने में सहायक

हर रोल में स्टेप विजुअल्स होते हैं।

7.4 कला और शिल्प परियोजना

काम: क्लास का कोलाज बनाएं।

ASD सीखने वाला:

- सामग्री को छाँटना
- गोंद के आकार
- रंग विशिष्ट अनुभाग

7.5 सामाजिक कौशल सहकारी खेल

खेल: "भावनाओं को आगे बढ़ाओ"

साथी इमोशन कार्ड पास करते हैं → ASD सीखने वाला एक्सप्रेशन की नकल करता है → साथी पॉज़िटिव जवाब देते हैं।

8. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग में टीचर की भूमिका

8.1 योजना

- उपयुक्त कार्यों का चयन करें
- दृश्य समर्थन तैयार करें
- स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करें

8.2 समूह गठन

साथियों को सोच-समझकर चुनें:

- समानुभूति
- संचार क्षमताओं
- धैर्य

8.3 मॉडलिंग अपेक्षाएँ

दिखाना:

- समूह प्रविष्टि
- संचार
- बारी-बारी से
- युद्ध वियोजन

8.4 बिना ज़्यादा मदद के निगरानी

टीचर देखता है लेकिन हावी नहीं होता।

8.5 सुदृढ़ीकरण प्रदान करना

प्रयास की प्रशंसा करें:

- "बढ़िया साझाकरण।"
- "अच्छी टीमवर्क।"

8.6 संक्रमणों का समर्थन

उपयोग:

- दृश्य टाइमर
- संक्रमण संकेत
- संगीत संकेत

9. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग में चुनौतियाँ और समाधान

चुनौती 1: संचार में देरी

समाधान:

AAC, विज़ुअल्स, सेंटेंस स्टार्टर्स का इस्तेमाल करें।

चुनौती 2: संवेदी अधिभार

समाधान:

सेंसरी ब्रेक, फ़िड्जेट्स, नॉइज़-कैंसलिंग हेडफ़ोन दें।

चुनौती 3: इंतज़ार करने या शेयर करने में मुश्किल

समाधान:

बारी-बारी से कार्ड लेना, स्ट्रक्चर्ड शेयरिंग रूटीन।

चुनौती 4: साथियों की गलतफहमी

समाधान:

साथियों को ठीक से ट्रेन करें; उम्मीदें साफ़ करें।

चुनौती 5: ASD लर्नर विड्रॉल

समाधान:

छोटे सेशन, बहुत मोटिवेट करने वाले काम, साथियों का हौसला बढ़ाना।

10. ASD के लिए कोऑपरेटिव लर्निंग के फ़ायदे

10.1 शैक्षणिक लाभ

- बेहतर समझ
- बेहतर कार्य पूर्णता
- निरंतर ध्यान
- बेहतर समस्या समाधान

10.2 संचार लाभ

- अधिक सहज संचार
- बेहतर अभिव्यंजक कौशल
- बेहतर समझ
- बढ़ी हुई दीक्षा

10.3 सामाजिक लाभ

- बेहतर सहकर्मी संपर्क
- कम अलगाव
- बढ़ी हुई संबद्धता
- बेहतर खेल कौशल

10.4 व्यवहारिक लाभ

- चुनौतीपूर्ण व्यवहारों में कमी
- प्रतीक्षा करने की बेहतर सहनशीलता
- बेहतर भावनात्मक विनियमन

11. सैंपल 45-मिनट कोऑपरेटिव लर्निंग ब्लॉक

मिनट 1-5: विज़ुअल शेड्यूल देखें
मिनट 6-10: स्ट्रक्चर्ड पीयर ग्रीटिंग
मिनट 11-20: कोऑपरेटिव एकेडमिक टास्क
मिनट 21-30: ग्रुप-बेस्ड सोशल गेम
मिनट 31-40: पीयर-असिस्टेड वर्कशीट
मिनट 41-45: मजबूती + बंद करना

12. सारांश

इस चैप्टर में ये शामिल हैं:

- सहकारी शिक्षा की अवधारणा और सिद्धांत
- ASD शिक्षार्थियों के लिए महत्व
- अनुकूलित सहकारी शिक्षण मॉडल
- समूह तैयारी रणनीतियाँ
- दृश्य और संचार सहायता
- टर्न-टेकिंग और मचान तकनीकें
- कक्षा टेम्पलेट्स और गतिविधियाँ
- शिक्षक की भूमिका
- समाधान के साथ चुनौतियाँ
- विभिन्न क्षेत्रों में लाभ
- वास्तविक सत्र खाका

कोऑपरेटिव लर्निंग, जब सही तरीके से अपनाE जाती है, तो ASD लर्नर्स का एंगेजमेंट, कम्युनिकेशन और इनक्लूजन सक्सेस बढ़ाने के सबसे असरदार तरीकों में से एक बन जाती है।

हस्तक्षेप के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग

- ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) वाले स्टूडेंट्स की डेवलपमेंटल, कम्युनिकेशन, बिहेवियरल, एकेडमिक और सोशल ज़रूरतों को सपोर्ट करने में टेक्नोलॉजी एक बड़ा बदलाव लाने वाला रोल निभाती है। यह एंगेजमेंट बढ़ाती है, इंडिपेंडेंस बढ़ाती है, एंग्जायटी कम करती है, कम्युनिकेशन को सपोर्ट करती है, और सीखने के लिए दूसरे चैनल देती है। KVS/NVS स्कूलों में ASD-स्पेसिफिक एजुकेशन के लिए, टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अब ऑप्शनल नहीं है - यह एक मेन इंटरवेंशन पिलर है।
- यह चैप्टर ASD इंटरवेंशन में इस्तेमाल होने वाले टेक्नोलॉजिकल टूल्स और तरीकों पर गहराई से, स्ट्रक्चर्ड, बहुत भरोसेमंद नोट्स देता है, जिसमें असिस्टिव टेक्नोलॉजी (AT), AAC, एजुकेशनल ऐप्स, सेंसरी टूल्स, वीडियो-बेस्ड लर्निंग, डिजिटल शेड्यूल, कंप्यूटर-असिस्टेड इंस्ट्रक्शन, VR/AR टूल्स, और टीचर-सपोर्ट टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

1. ASD इंटरवेंशन में टेक्नोलॉजी की भूमिका

ASD इंटरवेंशन में टेक्नोलॉजी असरदार है क्योंकि यह:

- ऑटिस्टिक लर्नर्स की विज़ुअल लर्निंग स्ट्रेंथ के साथ अलाइन होता है
- पूर्वानुमानित, संरचित, सुसंगत उत्तेजनाएं प्रदान करता है
- मानवीय अप्रत्याशितता से जुड़ी चिंता को कम करता है
- तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करता है
- जुड़ाव और प्रेरणा बढ़ाता है
- संचार सीमाओं का समर्थन करता है
- संवेदी अधिभार को प्रबंधित करने में मदद करता है
- व्यक्तिगत गति की अनुमति देता है
- घर और स्कूल में सीखने को एकीकृत करता है

टेक्नोलॉजी सीखने के नतीजों को बेहतर बनाती है और पढ़ाई के दौरान सोचने-समझने और इमोशनल बोझ को कम करती है।

2. ASD इंटरवेंशन में इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी की कैटेगरी

ASD इंटरवेंशन पांच मुख्य डोमेन में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं:

1. **एएसी (संवर्द्धक और वैकल्पिक संचार)**
2. **शैक्षिक और अकादमिक उपकरण**
3. **व्यवहार और स्व-नियमन उपकरण**
4. **संवेदी विनियमन प्रौद्योगिकियां**
5. **शिक्षक-सहायता और निर्देशात्मक उपकरण**

हर डोमेन डेवलपमेंट और इन्क्लूजन में एक खास भूमिका निभाता है।

3. AAC टेक्नोलॉजीज (ऑगमेंटेटिव और अल्टरनेटिव कम्युनिकेशन)

AAC, ASD के लिए सबसे ज़रूरी टेक्नोलॉजिकल तरीकों में से एक है क्योंकि इस कंडीशन में कम्युनिकेशन की दिक्कतें बहुत ज़रूरी होती हैं। AAC फ्रस्ट्रेशन कम करता है, एक्सप्रेस करने की क्षमता बढ़ाता है, और फंक्शनल कम्युनिकेशन बनाता है।

3.1 हाई-टेक AAC टूल्स

हाई-टेक AAC में वॉयस आउटपुट वाले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस शामिल हैं।

सामान्य हाई-टेक AAC उपकरण

- टैबलेट-आधारित AAC ऐप्स
- भाषण उत्पन्न करने वाले उपकरण
- संचार सॉफ्टवेयर

प्रमुख विशेषताएं

- अनुकूलन योग्य प्रतीक
- आवाज आउटपुट भाषण
- वाक्यांश-निर्माण कार्य
- दृश्य दृश्य प्रदर्शन

फ़ायदे

- सहज संचार को बढ़ावा देता है
- अभिव्यंजक भाषा को प्रोत्साहित करता है
- कम्युनिकेशन फ्रस्ट्रेशन से जुड़े व्यवहार संबंधी मुद्दों को कम करता है

3.2 टैबलेट-आधारित AAC अनुप्रयोग

ASD लर्नर्स के लिए इंटरनेशनल लेवल पर कई ऐप्स इस्तेमाल किए जाते हैं।

सामान्य सुविधाएं

- प्रतीक-आधारित शब्दावली
- आसान नेविगेशन
- अनुकूलन योग्य लेआउट
- ध्वनि आउटपुट
- शब्दों का वर्गीकरण

कक्षा उपयोग

- अनुरोधित वस्तुएँ
- ज़रूरतों को व्यक्त करना
- प्रश्नों का उत्तर देना
- समूह चर्चा में भाग लेना
- वस्तुओं को लेबल करना

3.3 मिड-टेक एएसी

उदाहरणों में शामिल हैं:

- एकल-संदेश संचारक
- चरण-दर-चरण संचारक
- प्रोग्राम करने योग्य बटन

शुरुआती कम्युनिकेटर्स के लिए उपयोगी।

3.4 लो-टेक AAC

हालांकि इलेक्ट्रॉनिक नहीं, लो-टेक AAC अक्सर टेक टूल्स के साथ मिल जाता है।

उदाहरण:

- मुद्रित संचार बोर्ड
- पसंद के कार्ड
- पीEसीएस पुस्तकें
- दृश्य समय सारिणी

4. PECS डिजिटल वर्शन

डिजिटल PECS सिस्टम देते हैं:

- स्पर्श-आधारित चित्र विनिमय
- डिजिटल कार्ड संगठन
- आभासी संचार पुस्तक
- आसान सीखना
- ऑडियो लेबलिंग

क्लासरूम में, डिजिटल PECS फिजिकल लैमिनेटेड कार्ड की ज़रूरत को कम करते हैं और कम्युनिकेशन की स्पीड बढ़ाते हैं।

5. भाषा और संचार विकास के लिए प्रौद्योगिकी

5.1 स्पीच थेरेपी ऐप्स

ये ऐप्स सपोर्ट करते हैं:

- जोड़बंदी
- शब्दावली
- वाक्य निर्माण
- समझ
- अनुक्रमण

शिक्षक उपयोग

- मॉडल शब्द
- छात्रों की प्रतिक्रियाएँ रिकॉर्ड करें
- महारत के लिए दोहराव का इस्तेमाल करें

5.2 इंटरैक्टिव स्टोरीटेलिंग प्लेटफॉर्म

इंटरैक्टिव स्टोरीज़ सपोर्ट:

- समझ
- शब्दावली
- भविष्यवाणी
- बारी-बारी से
- प्रतीकात्मक समझ

एनिमेशन वाली कहानियाँ ASD सीखने वालों का ध्यान ज़्यादा देर तक खींचती हैं।

6. ASD के लिए वीडियो-आधारित हस्तक्षेप
वीडियो-बेस्ड टीचिंग सबूतों पर आधारित है और ASD के लिए बहुत असरदार है।

6.1 वीडियो मॉडलिंग
सीखने वाले लोग मनचाहे व्यवहार की मॉडलिंग करने वाले छोटे वीडियो देखते हैं।

लक्ष्य कौशल
- अभिवादन
- हाथ धोना
- बारी-बारी से
- कक्षा की दिनचर्या
- सामाजिक संपर्क
- कार्य पूरा करना

यह क्यों काम करता है
ऑटिस्टिक लर्नर्स विजुअल इमिटेशन में बहुत अच्छे होते हैं।

6.2 वीडियो प्रॉम्प्टिंग
स्टेप-बाय-स्टेप वीडियो क्लिप हर एक्शन को अलग-अलग दिखाते हैं।

उपयोग
- खाना पकाने के चरण
- शिल्प परियोजनाएँ
- शैक्षणिक प्रक्रियाएं

6.3 पीयर वीडियो मॉडलिंग
वीडियो में साथी दिखाते हैं:
- खेल कौशल
- बातचीत
- सहकारी व्यवहार

नकल और साथियों के साथ बॉन्डिंग बढ़ती है।

7. शिक्षाविदों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी
टेक्नोलॉजी ASD सीखने वालों को लिटरेसी, न्यूमरेसी, जनरल नॉलेज और कॉग्निटिव डेवलपमेंट में मदद करती है।

7.1 कंप्यूटर-सहायता प्राप्त निर्देश (CAI)
CAI में निम्नलिखित के लिए एजुकेशनल प्रोग्राम शामिल हैं:
- गणित
- पढ़ना
- लिखना
- समस्या को सुलझाना

फ़ायदे
- कामों को छोटे-छोटे चरणों में बांटना
- पुनरावृत्ति प्रदान करता है
- दृश्य प्रतिक्रिया प्रदान करता है
- व्यक्तिगत गति का समर्थन करता है

7.2 साक्षरता विकास उपकरण
डिजिटल किताबें ऑफ़र करती हैं:
- हाइलाइट किया गया पाठ
- जोर से पढ़ने के कार्य
- इंटरैक्टिव शब्दावली कार्ड

समझने में दिक्कत वाले ASD लर्नर्स को सपोर्ट करता है।

7.3 संख्यात्मकता उपकरण
इसके लिए ऐप्स:
- संख्या पहचान
- अनुक्रमण
- गिनती
- बुनियादी अंकगणित
- पैटर्न मान्यता

ये टूल्स साफ़ विजुअल्स का इस्तेमाल करते हैं जो ASD कॉग्निशन को सपोर्ट करते हैं।

7.4 कॉग्निटिव स्किल-बिल्डिंग प्लेटफॉर्म

के लिए इस्तेमाल होता है:

- मेल मिलाना
- वर्गीकरण
- याद
- समस्या को सुलझाना
- दृश्य तर्क

ये सीधे तौर पर स्कूल की तैयारी में मदद करते हैं।

8. व्यवहार और सेल्फ-रेगुलेशन के लिए टेक्नोलॉजी

क्लासरूम में सफलता के लिए व्यवहार में स्थिरता ज़रूरी है।

8.1 विज़ुअल टाइमर

टूल्स में शामिल हैं:

- उलटी गिनती ऐप्स
- रंगीन टाइमर
- ध्वनि-रहित टाइमर

के लिए इस्तेमाल होता है:

- बदलाव
- इंतज़ार में
- समयबद्ध कार्य

समय को लेकर चिंता कम करता है।

8.2 डिजिटल पहले-फिर बोर्ड

डिजिटल स्टेप्स दिखाएं:

- पहला: कक्षा कार्य
- फिर: खेलें

विरोध कम करता है और कम्प्लायंस बढ़ाता है।

8.3 टोकन इकॉनमी ऐप्स

डिजिटल टोकन:

- प्रगति को ट्रैक करें
- पुरस्कार प्रदर्शित करें
- कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित करना

8.4 इमोशन रेगुलेशन ऐप्स

सीखने वालों की मदद करें:

- भावनाओं की पहचान
- चेहरे के भावों का मिलान करें
- शांत करने वाली दिनचर्या का अभ्यास करें
- श्वास व्यायाम का उपयोग करें

8.5 टीचर्स के लिए बिहेवियर ट्रैकिंग ऐप्स

टीचर्स इस्तेमाल करते हैं:

- ABC रिकॉर्डिंग
- आवृत्ति चार्ट
- लक्ष्य व्यवहार ट्रैकिंग
- सुदृढीकरण लॉग

सिस्टमैटिक तरीके से इंटरवेंशन प्लान करने में मदद करता है।

9. सेंसरी रेगुलेशन के लिए टेक्नोलॉजी

ASD इंटरवेंशन के लिए सेंसरी ज़रूरतें ज़रूरी हैं।

9.1 संवेदी ऐप्स

प्रदान करता है:

- शांत करने वाली ध्वनियाँ
- प्रकृति के दृश्य
- कंपन उपकरण
- श्वास गाइड
- संवेदी अन्वेषण गतिविधियाँ

ओवरलोड कम करने में मदद करता है।

9.2 इंटरैक्टिव सेंसरी टूल्स

टेक्नोलॉजी से चलने वाले सेंसरी डिवाइस में शामिल हैं:

- प्रकाश प्रोजेक्टर
- बबल ट्यूब लैंप
- इंटरैक्टिव फ़्लोर मैट
- फाइबर ऑप्टिक संवेदी पर्दे

ये शांति, ध्यान और रेगुलेशन को बढ़ावा देते हैं।

9.3 पहनने योग्य संवेदी प्रौद्योगिकी

उदाहरण:

- कंपन करने वाले कलाE बैंड
- प्रोग्राम करने योग्य संवेदी घड़ियाँ
- स्मार्ट नियंत्रण के साथ भारित बनियान

ये टूल्स क्लास के दौरान ध्यान से सेंसरी सपोर्ट देते हैं।

10. वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR)

ये एडवांस्ड टूल्स ASD सपोर्ट में पॉपुलर हो रहे हैं।

10.1 सोशल स्किल्स के लिए VR

VR एनवायरनमेंट सिमुलेट करते हैं:

- कक्षा में बातचीत
- खरीदारी
- सड़क पार करना
- त्योहारों
- सामाजिक अभिवादन

असल दुनिया के अनुभवों से पहले सुरक्षित प्रैक्टिस करने की सुविधा देता है।

10.2 अकादमिक शिक्षा के लिए AR

AR, ASD लर्नर्स को इनके साथ इंटरैक्ट करने की सुविधा देता है:

- 3D गणित वस्तुएँ
- एनिमेटेड कहानियाँ
- विज्ञान प्रयोगों

इनसे समझ बढ़ती है।

11. संगठन और स्वतंत्रता के लिए टेक्नोलॉजी

11.1 डिजिटल शेड्यूल

उपयोग:

- माउस
- इमेजिस
- टाइमर
- अनुस्मारक

एग्जीक्यूटिव कामकाज में आज़ादी को सपोर्ट करता है।

11.2 टास्क सीक्वेंसिंग ऐप्स

कामों को इस तरह बांटें:

- दृश्य चरणों
- ऑडियो चरण
- वीडियो के चरण

ASD लर्नर्स को अकेले रूटीन फॉलो करने में मदद करता है।

11.3 रिमाइंडर ऐप्स

इसके लिए उपयोगी:

- होमवर्क पूरा करना
- पैकिंग बैग
- वर्ग संक्रमण

12. ASD इंटरवेंशन के लिए टीचर-फेसिंग टेक्नोलॉजी
टीचर प्लानिंग और टीचिंग एफिशिएंसी को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं।

12.1 डेटा संग्रह सॉफ्टवेयर
अनुमति देता है:
- प्रगति ट्रैकिंग
- IEP लक्ष्य अपडेट
- हस्तक्षेप प्रभावशीलता विश्लेषण

12.2 डिजिटल आईपी प्लेटफॉर्म
इकट्ठा करना:
- लक्ष्य
- टिप्पणियों
- प्रलेखन
- माता-पिता के बीच संचार

कंसिस्टेंसी पक्का करता है।

12.3 माता-पिता के सहयोग के लिए कम्युनिकेशन ऐप्स
के लिए इस्तेमाल होता है:
- अपडेट साझा करना
- दृश्य भेजना
- सुसंगत घर-स्कूल दिनचर्या

13. टेक्नोलॉजी इस्तेमाल करते समय सुरक्षा का ध्यान रखें
टेक्नोलॉजी सुरक्षित और सही होनी चाहिए।

मुख्य विचार
- अतिउत्तेजना से बचें
- स्क्रीन समय की निगरानी करें
- ध्यान भटकाने वाले ऐप्स को सीमित करें
- ऑनलाइन सामग्री की निगरानी
- लंबे समय तक संवेदी अधिभार से बचें
- डिवाइस की स्थायित्व सुनिश्चित करें
- शिक्षार्थी डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करें

14. प्रैक्टिकल क्लासरूम उदाहरण
उदाहरण 1: कम्युनिकेशन ब्लॉक
AAC ऐप इस्तेमाल करें → सीखने वाला पेंसिल मांगता है → टीचर तुरंत जवाब देता है।

उदाहरण 2: शैक्षणिक सत्र
डिजिटल मैथ ऐप इस्तेमाल करें → सीखने वाला चीज़ें गिनता है → ऐप फ़ीडबैक देता है।

उदाहरण 3: सेंसरी ब्रेक
समुद्र की लहरों और धीमी सांस लेने वाले विज़ुअल्स के साथ शांत करने वाले ऐप का इस्तेमाल करें।

उदाहरण 4: व्यवहार समर्थन
पहले डिजिटल दिखाएं-फिर बोर्ड:
- पहला: लेखन
- फिर: बुलबुले

उदाहरण 5: सामाजिक कौशल
"खिलौने कैसे शेयर करें" सिखाने के लिए पियर वीडियो मॉडलिंग का इस्तेमाल किया गया।

15. सारांश
इस चैप्टर में ये शामिल हैं:
- एएसडी हस्तक्षेप में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- AAC उपकरण और डिजिटल संचार प्रणालियाँ
- वीडियो मॉडलिंग, प्रॉम्प्टिंग और इंटरैक्टिव कहानियाँ
- शिक्षाविदों के लिए कंप्यूटर-सहायता प्राप्त निर्देश
- संवेदी विनियमन ऐप्स और उपकरण
- व्यवहार विनियमन प्रौद्योगिकी
- सामाजिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण के लिए VR/AR
- शिक्षक-सहायता प्लेटफ़ॉर्म और डेटा सिस्टम
- सुरक्षा के लिए दिशा - निर्देश
- वास्तविक कक्षा के उदाहरण

टेक्नोलॉजी ASD लर्नर्स को कम्युनिकेशन बेहतर करके, बिहेवियर से जुड़ी मुश्किलों को कम करके, एंगेजमेंट बढ़ाकर और इंडिपेंडेंस को बढ़ावा देकर सपोर्ट करती है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

ASD के लिए समावेशी शिक्षण रणनीतियाँ

- सबको साथ लेकर चलने वाली शिक्षा यह पक्का करती है कि ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) वाले बच्चे आम क्लासरूम में अपने साथियों के साथ अच्छे से सीखें। KVS/NVS के स्पेशल एजुकेटर्स के लिए, सबको साथ लेकर चलने वाली टीचिंग स्ट्रेटेजी लागू करना ज़रूरी है ताकि ऐसा सीखने का माहौल बनाया जा सके जो अलग-अलग तरह के बच्चों को अपनाए, उनकी ज़रूरतों को पूरा करे, और पढ़ाई-लिखाई और समाज में ASD के बच्चों की एक्टिव हिस्सेदारी को बढ़ावा दे।
- यह चैप्टर ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस, RCI प्रिंसिपल्स, NEP-अलाइन्ड इनक्लूसिव फ्रेमवर्क और क्लासरूम प्रैक्टिकैलिटी पर आधारित इनक्लूसिव स्ट्रेटेजी का एक कॉम्प्रिहेंसिव, डीपली स्ट्रक्चर्ड, प्रोफेशनल सेट पेश करता है।

1. ASD के लिए समावेशी शिक्षण का अर्थ और उद्देश्य

समावेशी शिक्षण सुनिश्चित करता है:
- ग्रेड-स्तरीय पाठ्यक्रम तक पहुँच
- कक्षा की दिनचर्या में भागीदारी
- समूह कार्यों में सार्थक सहभागिता
- समान शिक्षण अवसरों
- भावनात्मक सुरक्षा
- सहकर्मी स्वीकृति
- कम कलंक
- सेटिंग्स में कौशल सामान्यीकरण

इसमें यूनिवर्सल प्लानिंग, टारगेटेड सपोर्ट, पर्सनलाइज़्ड अकोमोडेशन और एनवायरनमेंटल अडैप्टेशन शामिल हैं।

2. ASD लर्नर्स के लिए इन्क्लूजन की नींव

असरदार समावेशन चार बातों पर टिका है:

2.1 पाठ्यक्रम तक पहुँच

ग्रेड-लेवल की पढ़ाई को देखने , समझने और प्रोसेस करने में सक्षम होना चाहिए :
- दृश्य समर्थन
- सरलीकृत भाषा
- उदाहरण
- ठोस अनुभव
- संरचित चरणों

2.2 भागीदारी

एक्टिव पार्टिसिपेशन इन तरीकों से पक्का किया जाता है:
- सहायक बैठने की व्यवस्था
- छोटे समूह की गतिविधियाँ
- व्यक्तिगत भूमिकाएँ
- मित्र प्रणालियाँ
- वैकल्पिक प्रतिक्रिया विधियाँ

2.3 जुड़ाव

जुड़ाव के लिए ज़रूरी है:
- संवेदी विनियमन
- पूर्वानुमेय दिनचर्या
- सुदृढ़ीकरण
- रुचि-आधारित कार्य

2.4 सहायक वातावरण

एक क्लासरूम में ये होना चाहिए:
- भावनात्मक रूप से सुरक्षित
- STRUCTURED
- संवेदी अधिभार में कम
- सुव्यवस्थित

3. ASD के लिए समावेशी कक्षा का माहौल

3.1 संरचित भौतिक स्थान

एक अच्छी तरह से प्लान किया गया माहौल एंग्जायटी कम करता है और फोकस बेहतर करता है।

ज़रूरी भाग

- साफ़ कार्य क्षेत्र
- सामग्री के लिए दृश्य लेबल
- परिभाषित सीमाएँ
- अव्यवस्था मुक्त स्थान
- संवेदी कोना
- पूर्वानुमानित लेआउट

फ़ायदे

- भटकने से रोकता है
- स्वतंत्रता का समर्थन करता है
- विकर्षणों को कम करता है

3.2 अनुमानित दैनिक दिनचर्या

ASD सीखने वाले रूटीन में आगे बढ़ते हैं।

टीचर्स इस्तेमाल करते हैं:

- डिजिटल या लैमिनेटेड विज़ुअल शेड्यूल
- संक्रमण संकेत
- सुसंगत समय
- नियमित-आधारित शिक्षण

एक अनुमानित माहौल रेगुलेशन को बढ़ाता है और व्यवहार से जुड़ी समस्याओं को कम करता है।

3.3 संवेदी-सुरक्षित कक्षा

टालना:

- टिमटिमाती रोशनी
- जोर शोर
- तेज़ गंध

उपलब्ध करवाना:

- शोर कम करने वाले हेडफ़ोन
- फ़िडगेट उपकरण
- शांत रंग
- संवेदी विराम

एक सेंसरी-बैलेंस्ड क्लासरूम ध्यान और इमोशनल कंट्रोल में मदद करता है।

4. ASD के लिए समावेशी शिक्षण दृष्टिकोण

4.1 विज़ुअल इंस्ट्रक्शन स्ट्रेटेजी

इनक्लूसिव क्लासरूम में विज़ुअल्स ज़रूरी हैं क्योंकि ASD लर्नर्स विज़ुअल क्लैरिटी पर निर्भर करते हैं।

दृश्य उपकरण

- दृश्य अनुसूचियां
- पहले-फिर चार्ट
- दृश्य कार्य चरण
- विकल्प बोर्ड
- तस्वीरों में कक्षा के नियम
- रंग-कोडित सामग्री

विज़ुअल स्ट्रक्चर समझने, ध्यान देने और आज़ादी में मदद करता है।

4.2 सरलीकृत और ठोस भाषा

टीचर्स को चाहिए:

- छोटे, सीधे वाक्यों का प्रयोग करें
- जटिल मुहावरों से बचें
- भाषण को हाव-भाव के साथ जोड़ें
- एक समय में एक निर्देश दें
- समझ को दृष्टिगत रूप से जांचें

4.3 बहु-संवेदी निर्देश

ASD सीखने वालों को इन चीज़ों से फ़ायदा होता है:

- दृश्य (चार्ट, चित्र)
- श्रवण (गीत, लय)
- स्पर्शनीय (हाथों से किए जाने वाले मॉडल)
- गतिज (गति-आधारित शिक्षा)

इससे कॉन्सेप्ट मास्टरी बेहतर होती है।

4.4 टास्क ब्रेकडाउन (टास्क एनालिसिस)

लेसन को छोटे-छोटे स्टेप्स में बांटने से ASD लर्नर्स को सफल होने में मदद मिलती है।

लिखने के काम का उदाहरण

1. पेंसिल उठाओ
2. सही जगह पर रखें
3. ट्रेस लाइन
4. पत्र की प्रतिलिपि
5. स्वतंत्र रूप से लिखें

हर स्टेप को विज़ुअली मज़बूत किया गया है।

4.5 क्लासरूम के साफ़ और एक जैसे नियम

नियम ये होने चाहिए:

- तस्वीर
- सरल
- संख्या में कम
- सुसंगत

उदाहरण:

- हाथ उठाओ
- बारी का इंतज़ार करें
- कुर्सी पर बैठो
- धीमी आवाज़ का प्रयोग करें

कंसिस्टेंसी कन्फ्यूजन को रोकती है।

4.6 प्रतिक्रिया के वैकल्पिक तरीके

ASD सीखने वाले इसका इस्तेमाल करके जवाब दे सकते हैं:

- इशारा
- इशारों
- एएसी
- लिखना
- चित्रकला
- चित्रों का चयन

इससे बिना किसी चिंता के हिस्सा लेना पक्का होता है।

4.7 स्कैफोल्डेड लर्निंग

मचान में शामिल हैं:

- मॉडलिंग
- निर्देशित अभ्यास
- साझा अभ्यास
- स्वतंत्र अभ्यास

आज़ादी को बढ़ावा देने के लिए मचान धीरे-धीरे फीके पड़ जाते हैं।

4.8 स्पष्ट संक्रमण

ASD लर्नर्स के लिए ट्रांज़िशन मुश्किल होते हैं।

रणनीतियाँ:

- दृश्य टाइमर
- उलटी गिनती की दिनचर्या
- संक्रमण कार्ड
- संक्रमण गीत
- पहले-फिर बोर्ड

इससे विषय बदलने के दौरान चिंता कम हो जाती है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

5. समावेशी सामाजिक संपर्क का समर्थन करता है

5.1 पीयर बडी सिस्टम

एक रेगुलर साथी मदद करता है:

- दिनचर्या नेविगेट करें
- निर्देशों को समझें
- बातचीत करना
- सुचारू रूप से संक्रमण
- गतिविधियों में भाग लें

पीयर सिस्टम इन्क्लूजन को पूरी तरह सपोर्ट करते हैं।

5.2 संरचित सामाजिक अवसर

शिक्षक बनाते हैं:

- सहकारी समूहों
- संरचित खेल
- जोड़ी कार्य
- संचार केंद्र
- बारी-बारी से चलने वाले स्टेशन

ये नैचुरल सोशल लर्निंग को बढ़ावा देते हैं।

5.3 सोशल स्क्रिप्ट

स्क्रिप्ट ASD लर्नर्स को प्रेडिक्टेबल सोशल बातचीत में शामिल होने में मदद करती हैं।

उदाहरण:

- "मैं शामिल हो सकता हूँ?"
- "आपकी बारी।"
- "कृपया मदद करे।"

स्क्रिप्ट आत्मविश्वास और पहल को बढ़ावा देती हैं।

5.4 सामाजिक कहानियाँ

सामाजिक कहानियाँ सिखाती हैं:

- कक्षा की अपेक्षाएँ
- व्यवहार नियम
- दिनचर्या
- भावनात्मक समझ

मुश्किल घटनाओं (जैसे, असेंबली) से पहले इस्तेमाल किया जाता है।

6. समावेशी व्यवहार समर्थन रणनीतियाँ

6.1 पॉज़िटिव बिहेवियर सपोर्ट (PBS)

PBS इन पर फोकस करता है:

- ट्रिगर्स की पहचान करना
- प्रतिस्थापन व्यवहार सिखाना
- सकारात्मक व्यवहार को सुदृढ़ करना
- पर्यावरण को समायोजित करना

बढ़ने से रोकता है।

6.2 सुदृढीकरण प्रणालियाँ

सुदृढ़ करें:

- भाग लेना
- संचार
- उचित व्यवहार

इनाम ये हो सकते हैं:

- टोकन
- स्टिकर
- प्रशंसा
- पसंदीदा गतिविधियाँ

Toppersnotes Unleash the topper in you